भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
(जनसम्पर्क निदेशालय)

प्रेस विज्ञप्ति

विषयः भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा अस्थिर अप्रोच विषय प्रथम कार्यशाला का आयोजन

नई दिल्ली, जुलाई 28, 2014 – देश में विमान संचलन की सुरक्षा तथा प्रचालनात्मक कुशलता को बढ़ाने के अपने निरन्तर प्रयासों के भाग रुप में भा.वि.प्रा ने 25 जुलाई 2014 को नया एटीएस परिसर, आईजी आई हवाई अड्डा में "अस्थिर अप्रोच" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया। श्री वी. सोमासुन्दरम, सदस्य (ए एन एस), भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने "अस्थिर अप्रोच" संबंधी प्रथम कार्यशाला का उद्घाटन किया जिसमें एयर इंडिया, इंडिगो एयरलाइन्स, जेट एयरवेज, गो एयर के वरिष्ठ कमांडरों तथा लखनऊ अमृतसर, जयपुर, वाराणसी तथा आई जी आई हवाई अड्डा के वरिष्ठ वायु यातायात नियंत्रकों ने भाग लिया। अपने उद्घाटन सम्बोधन में भा.वि.प्रा के सदस्य (ए एन एस) ने ऐसी कार्यशालाओं के आयोजन की आवश्यकत पर बल दिया क्योंकि इनके माध्यम से अस्थिर अप्रोच के संबंध में वायु यातायात नियंत्रकों का ज्ञान बढ़ेगा तथा उन्हें अस्थिर अप्रोच को कम करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि वायु यातायात नियंत्रकों तथा पायलटों के मध्य इस प्रकार के संवाद के द्वारा उड़ान सहायकों को यह समझने में सहयता मिलेगी की फाइनल अप्रोच पर स्थापित विमान जब अस्थिर अप्रोच के कारण मार्ग बदलता है तो उसका ए टी सी पर क्या प्रभाव पड़ता है। उन्होने इस बात पर बल दिया कि सभी प्रतिभागी "अस्थिर अप्रोच" के सभी संभव कारणों पर विस्तार से चर्चा करें तथा अस्थिर अप्रोच की संख्या कम करने के लिए उपयोगी सुझाव भी दें।

प्रतिभागियों ने अस्थिर अप्रोच के कारण, वायु यातायात नियंत्रण प्रणालियों, उड़ान सहायक तथा यात्रियों पर उसके प्रभाव व संभव सुधारात्मक उपायों पर चर्चा की।

प्रतिभागियों ने यह निर्णाय भी लिया कि आपसी समन्वय तथा सहमति के माध्यम से सुरक्षा मामलों को चिन्हित करने व सुलझाने के लिए एक अनौपचारिक समूह बनाया जाए जिसमें भा. वि. प्रा के एटीसी अधिकारी व विमान सेवाओं के वरिष्ठ कमांडर शामिल है।

हवाई अड्डों पर उतरने के लिए पहुंचनें वाले विमानों द्वारा आवश्यक ऊचाई, गति या स्थिति स्पष्ट न करने व तदन्तर मिस्ड अप्रोच अपनाने की घटनांए पिछले दो वर्षों में बढ़ी हैं। मिस्ड अप्रोच, विशेषतः उड़ाने की अस्थिर अप्ररोच के कारण, कुल गो-अराउंड घटनाओं का 20 % भाग है जो कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के उच्च प्रबन्धन के लिए चिंता का विषय है।

भा.वि.प्रा ने देश में विमान प्रचालनों की सुरक्षा तथा कुशलता को बढ़ाने के लिए अनेक सी एन एस/ए टी एस संबंधी कदम उठाएं हैं तथा "अस्थिर अप्रोच" विषय पर कार्यशाला इसी दिशा में उठाया गया अन्य कदम है।

जनसम्पर्क निदेशालय द्वारा जारी
विस्तृत ब्यौरे के लिए कृपया संपर्क करे
महाप्रबंधक (जनसम्पर्क) 9810025069
011-24622787
सं 27 / 2014-15

च

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा अस्थिर अप्रोच विषय पर आयोजित प्रथम कार्यशाला। श्री वी. सोमासुन्दरम, सदस्य (ए एन एस), भा. वि.प्रा.(मध्य में) एयर इंडिया, इंडिगो एयरलाइन्स, जेट एयरवेज, गो एयर के वरिष्ठ कमांडरों तथा भाविप्रा के वरिष्ठ वायु यातायात नियंत्रकों के साथ सुरक्षा मुद्दों की समीक्षी करते हुए।